यांत्रिकी विभाग

रोलिंग स्टॉक के रख-रखाव की जिम्मेदारी यांत्रिक विभाग की है,जिसमें यात्री कोच, माल वैगन, डेमू और क्रेन शामिल हैं। इसके अलावा कार्यशालाओं और अन्य कार्यों में बड़ी संख्या में मशीनरी और संयंत्र का रखरखाव करता है। विभाग रोलिंग स्टॉक की खरीद के लिए भी योजना बनाता है।मशीनरी और संयंत्र और ट्रेन में स्टॉक की सुरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है। इसके अलावा विभाग के ईएनएचएम विंग के माध्यम से यह समन्वय भी करता है।

प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर - यांत्रिक विभाग के समग्र प्रभारी हैं। वह सभी स्तर पर महाप्रबंधक को रिपोर्ट करतें है और सलाह देतें है। यांत्रिक विभाग से संबंधित प्रशासनिक और तकनीकी मामले देखतें हैं।

अधिक महत्वपूर्ण कर्तव्य रोलिंग स्टॉक के रखरखाव और अन्य का है रेलवे के यांत्रिक उपकरण और काफी हद तक सुरक्षा और रेलवे परिवहन की विश्वसनीयता,उसे इस कर्तव्य को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए,उन्हें विभिन्न 'विभागाध्यक्षों' (एचओडी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

मुख्य कारखाना इंजीनियर - उत्तर पश्चिम रेलवे में तीन प्रमुख कार्यशालाएँ हैं। 'अजमेर कार्यशाला समूह', 'कैरिज वर्कशॉप'-जोधपुर और 'कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप'-बीकानेर । प्रत्यक्ष कार्यशाला के मामलों पर नियंत्रण "मुख्य कारखाना इंजीनियर " द्वारा किया जाता है जो कार्यशालाओं के लिए विभाग का प्रशासनिक प्रमुख है। कार्यशाला में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारी भी मुख्य कारखाना इंजीनियर की होती है उन्हें उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / कारखाना द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

मुख्य पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक - मैकेनिकल विभाग का ईएनएचएम विंग निगरानी का कार्य करता है पर्यावरण संबंधी सभी मुद्दों के लिए समन्वय कार्य। HOD के रूप में CEnHM पर्यावरणीय मामलों पर सभी अंतरविभागीय समन्वय के लिए नोडल अधिकारी, एनजीटी, सतत विकास और जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संबंधी स्वच्छ भारत मिशन से संबंधित कार्य एवं मामले देखते हैं।

मुख्य यांत्रिक अभियंता (योजना) - मुख्य यांत्रिक अभियंता योजना वर्क्स, एम एंड पी कार्यक्रम समन्वयक अधिकारी हैं ।इसके माध्यम से सभी क्षेत्रीय इकाइयों को मशीनें और संयंत्र प्रदान करना और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए रेलवे बोर्ड से उनकी मंजूरी प्राप्त करने के कार्य देखतें हैं।

मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर (कोचिंग) - सीआरएसई (कोचिंग) मरम्मत के मामलों पर सीधा नियंत्रण रखतें है कोचिंग स्टॉक का रखरखाव देखते हैं। परामर्श करके निर्देश जारी करना, नीति से संबंधित मामलों में जो यांत्रिक विभाग से संबंधित हैं, के लिए जिम्मेदारियाँ देखते हैं। कोचिंग डिपो में बजटीय नियंत्रण भी सीआरएसई (कोचिंग) के पास है। इन्हें उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (रोलिंग स्टॉक) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर /(मालगाडी)- सीआरएसई (मालगाडी) मरम्मत के मामलों पर सीधा नियंत्रण रखतें है। माल ढुलाई स्टॉक का रखरखाव के परामर्श से वह निर्देश जारी करतें है। बजटीय के लिए जिम्मेदारियाँ माल ढुलाई रखरखाव डिपो में नियंत्रण भी सीआरएसई (मालगाडी) के पास है। इनको उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (रोलिंग स्टॉक) द्वारा सहायता प्राप्त की जाती है।

मुख्य विद्युत सेवा अभियंता - सी.ई.एस.ई. विद्युत कोचिंग के रखरखाव से संबंधित सभी मामलों पर सीधा नियंत्रण रखतें है,एआरटी / एआरएमवी सहित कोचिंग स्टॉक के टीएल, एसी और पीओएच की मरम्मत और रखरखाव देखते हैं। वह प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के परामर्श से निर्देश जारी करतें है। नीति निर्माण से संबंधित मामलों में जो रोलिंग से संबंधित है स्टॉक रखरखाव देखते है। सभी टीएल और एसी में बजटीय नियंत्रण की जिम्मेदारियां रखरखाव का काम भी सीईएसई का है। उन्हें उप मुख्य विधुत इंजीनियर / कोचिंग द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

मुख्य तकनीकी अधिकारी (यांत्रिक) -सीटीओ संचालन और रखरखाव से संबंधित सभी गतिविधियों के प्रत्यक्ष प्रभारी है एवं उत्तर पश्चिम रेलवे पर डेमू / मेमू। वह संबंधित सभी मामलों पर सीधा नियंत्रण रखते है। उत्तर पश्चिम रेलवे पर ट्रेन-सेट और विरासत गतिविधियों के साथ-साथ तकनीकी भी रोलिंग स्टॉक रखरखाव के क्षेत्र में उत्तर पश्चिम रेलवे पर प्रगति देखते हैं। वह जारी करता है। प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के परामर्श से निर्देश राजस्व बजट योजना, निगरानी और नियंत्रण से संबंधित मामले देखते हैं ।